कक्षा - सातवीं

विषय - हिंदी

पाठ - 2 संतति

1. शब्दार्थ

स्मृति-याद तीव्र-तेज तंद्रा-ऊंघ

दुर्बल-कमजोर काया-शरीर धूल धूसरित-धूल में लिपटे हुए अनुमति-इजाजत बोहनी-पहली बिक्री प्रवृत्ति-आचार व्यवहार अनुनय विनय-प्रार्थना जिज्ञासा-जानने की इच्छा समाधान-हल

आसीन-बैठा हुआ, पद पर नियुक्त आलोचना-गुण दोष निरूपण या विवेचना करना निरर्थक-बिना किसी अर्थ के संवेदनहीन जिसमें भावनाएं ना हो

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए-

क.मोहल्ले की औरतों की प्रतिदिन की दिनचर्या में क्या शामिल था?

उत्तर- मोहल्ले की औरतों की प्रतिदिन की दिनचर्या में संध्या के समय घरों के बाहर एकत्रित होकर गप्प मारना था।

ख. मंजू की कर्कश आवाज़ से किसकी विचार-तंद्रा टूटी?

उत्तर- मंजू की कर्कश आवाज से भारती की विचार- तंद्रा टूटी।

ग. महिलाओं द्वारा अगरबत्ती खरीदने से इनकार करने पर वृद्ध ने क्या किया?

उत्तर- वृद्ध ने कहा-"सुबह से बोहनी नहीं हुई है बेटी, एक-एक पैकेट खरीद लो बड़ी मेहरबानी होगी गरीब पर।

घ. मंजू के मोल भाव से भारती को कैसा लग रहा था?

उत्तर- मंजू के मोल भाव से भारती को बहुत बुरा लग रहा था।

ड़ वृद्ध ने अपने बच्चों के बारे में महिलाओं को क्या बताया?

उत्तर- वृद्ध ने अपने बच्चों के बारे में महिलाओं को बताया कि उनके पांच-पुत्र हैं।

3.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-

क. महिलाओं के पास शाम को बाहर खड़े रहने के क्या-क्या कारण थे?

उत्तर- महिलाओं के पास अनेक कारण थे जैसे कुछ के बच्चे गली में खेल रहे थे उन्हें आते जाते वाहनों की तेज रफ्तार से बचाने के कारण, सब्जी खरीदने के कारण और कुछ पति की प्रतीक्षा के बहाने आस पड़ोस में क्या हो रहा है इस बात की जानकारी लेने के कारण।

ख. वयोवृद्ध का रेखाचित्र अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- वयोवृद्ध पांच पुत्रों के एक अभागे पिता थे जो अगरबत्तियां बेच कर अपना जीवन यापन कर रहे थे उनका जीवन अत्यंत कष्टप्रद था फिर भी वे अपने बच्चों को दोषारोपण नहीं कर रहे थे।

ग. भारती को वयोवृद्ध पर क्रोध क्यों आ रहा था?

उत्तर- भारती को वयोवृद्ध पर क्रोध इसलिए आ रहा था क्योंकि वे इस उम्र में इस प्रकार गली-गली घूम कर अपमानित हो रहे हैं। शरीर को आराम देने की आयु में अपरिचितों के सामने गिड़गिड़ा कर अनुनय विनय रहे हैं।

घ. मिसेज शर्मा ने वृद्ध को क्या सलाह दी?

उत्तर- मिसेज शर्मा ने कहा-"बाबा! तुम्हारी आयु यहां वहां धक्के खाने की नहीं है घर में बैठकर प्रभु का भजन किया करो धन का मोह अब तो छोड़ दो।

ड़ औरतें वयोवृद्ध के बच्चों को क्यों कोसने लगी?

उत्तर- औरतें वयोवृद्ध के बच्चों को इसलिए कोसने लगी क्योंकि उन्होंने इस उम्र में उन्हें बेसहारा छोड़ दो छोड़ दिया था।

च. वृद्ध की अपने बच्चों के प्रति सोच आपको कैसी लगी? आपके अनुसार वे किस सीमा तक सही या गलत थे?

उत्तर- इस प्रश्न का उत्तर छात्र स्वयं करें।

पाठ के अनुसार सही उत्तर चुनकर लिखिए।

क. मंजू के द्वारा कीमत पूछने पर वृद्ध के चेहरे पर ..... जागी।
(i) विचार तंद्रा (ii) आशा के भाव
(iii) उम्मीद की किरण ✓ (iv) उम्मीद की लहर

ख. पाँच पुत्रों के माता-पिता होने का ..... विधाता ने मुझे और मेरी पत्नी को दिया है।
(i) सम्मान (ii) सौभाग्य ✓
(iii) मूल्य (iv) दुख

ग. बुजुर्ग की बात सुनकर भारती पुनः माँ की ..... में खो गई।
(i) सोच (ii) बातों
(iii) स्मृतियों ✓ (iv) दुआ

किसने कहा, किससे कहा?

	किसने	किससे
क. "बाबा क्या सुन रहे हो कान लगाकर?"	मंजू ने	बाबा से
ख. "तुम्हारी आयु यहाँ-वहाँ धक्के खाने की नहीं है।"	श्रीमती शर्मा	बाबा से
ग. "सभी अपने कर्मों का फल भोगते हैं।"	बाबा ने	औरतों से

शब्द : दिनचर्या, रफ़्तार, उपस्थित, वयोवृद्ध, स्वाभाविक, असमर्थ, उम्मीद, अपरिचित, व्यतीत, जिज्ञासा, बुजुर्ग, स्मृतियाँ, दृष्टिकोण, कर्तव्यपरायण

बात सोच की (कोई एक कीजिए) Analytical Skills

'माता-पिता के चरणों में स्वर्ग होता है।' कैसे? लिखिए।

आजकल 'माता-पिता' और संतान के संबंधों में आए परिवर्तनों को संक्षेप में लिखिए।

बात भाषा की Language Skills

दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए।

संध्या = स् + अ + न् + ध् + य् + आ
मंजू = म् + अ + ञ् + ज् + ऊ
झुंड = झ् + उ + ण् + ड् + अ
तंद्रा = त् + अ + न् + द् + र् + आ
कंठ = क् + अ + ण् + ठ् + अ
संतान = स् + अ + न् + त् + आ + न् + अ

क वर्ग - ङ
च वर्ग - ञ
ट वर्ग - ण
त वर्ग - न
प वर्ग - म

अनुस्वार के स्थान पर अगले वर्ण के वर्ग का पंचम वर्ण

2. उदाहरण के अनुसार द्वित्व व्यंजन के दो-दो उदाहरण लिखिए।

क.	क्	+	क	=	क्क	–	पक्का
ख.	च्	+	च	=	च्च	–	बच्चा
ग.	प्	+	प	=	प्प	–	चप्पल
घ.	ल्	+	ल	=	ल्ल	–	मोहल्ला
ङ.	म्	+	म	=	म्म	–	उम्मीद

चक्का, धक्का, अच्चा, कच्चा, थप्पड़, लप्पड़, हल्ला, रसगुल्ला, सम्मान, सम्मानित

जब स्वर रहित व्यंजन के बाद समान स्वर युक्त व्यंजन वर्ण आए, तो उसे **द्वित्व व्यंजन** कहते हैं।

3. दिए गए शब्दों में मूल शब्द और 'इत' प्रत्यय अलग करके लिखिए।

क.	सुगंधित	–	सुगंध	+	इत	ख.	परिचित	– परिचय + इत
ग.	अपमानित	–	अपमान	+	इत	घ.	सम्मानित	– सम्मान + इत
ङ	धूसरित	–	धूसर	+	इत	च.	एकत्रित	– एकत्र + इत

शब्द में 'इत' प्रत्यय लगाने पर अंतिम न, ण, य और आ लुप्त हो जाते हैं; जैसे सुरक्षा– 'आ' हटाकर सुरक्षित, परिवर्तन– 'न' हटाकर परिवर्तित, विजय से विजित आदि।

4. दिए गए शब्द-युग्मों को उचित स्थान पर लिखिए।

मन-मस्तिष्क, पालन-पोषण, ऊपर-नीचे, आते-जाते, पानी-वानी, अनुनय-विनय, उथल-पुथल, गली-गली, अलग-थलग, यहाँ-वहाँ, कहते-कहते, पाँच-पाँच

समान-युग्म
गली-गली
कहते-कहते
पाँच-पाँच

सजातीय-युग्म
मन-मस्तिष्क
पालन-पोषण
अनुनय-विनय

विलोम-युग्म
आते-जाते
ऊपर-नीचे
यहाँ-वहाँ

सार्थक-निरर्थक
उथल-पुथल
पानी-वानी
अलग-थलग

5. माँ की स्मृतियों में खोई भारती भी दरवाज़े पर खड़ी थी।
यही कारण था कि मंजू ने अवसर को भुनाने की कोशिश की।

अब इन वाक्यों में 'की', 'कि', 'की' के प्रयोग पर ध्यान दीजिए–

पहले वाक्य में रेखांकित 'की' संबंध कारक है, जो दो संज्ञाओं में संबंध स्थापित कर रहा है। दूसरे वा में 'कि' दो वाक्यों को जोड़ रहा है। दूसरे वाक्य में प्रयुक्त अन्य 'की' भूतकाल की क्रिया है।

दिए गए वाक्यों में 'की'–'कि' का सही स्थान पर प्रयोग कीजिए।

क. मंजू ..की.. कर्कश आवाज़ से भारती ..की.. विचार तंद्रा टूटी।
ख. वह सोच रही थी ..कि.. कैसी हैं ये औरतें?
ग. भारती के मन में उथल-पुथल चल ही रही थी ..कि.. श्रीमती शर्मा ने बुजुर्ग से क
घ. कहीं ऐसा तो नहीं ..कि.. इनकी कोई संतान न हो!
ङ. बुजुर्ग ..की.. बात सुनकर भारती पुनः माँ ..की.. स्मृतियों में खो गई।